# जनरल कासिम सुलेमानी क्यों मायने रखता है

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

04 जनवरी, 2020

**"अमेरिका द्वारा ईरान के सैन्य और खुफिया कमांडर की हत्या ने दुनिया भर में हलचल पैदा कर दी हैं। इस आलेख में हम जानेंगे कि जनरल कासिम सुलेमानी क्यों इतने महत्वपूर्ण थे और 'कुद्स बल' जिसके वे प्रमुख थे, वह क्या है?"**

शुक्रवार को बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा और खुफिया कमांडर मेजर जनरल कासिम सुलेमानी को मार दिया गया। अब सवाल उठने लगा है कि मध्य पूर्व और उसके बाहर यह हत्या क्यों चिंता का विषय बन गया है?

**शुक्रवार सुबह बगदाद में वास्तव में क्या हुआ?**

जनरल सुलेमानी हवाई हमले में मारे गए हैं, जिसकी जिम्मेदारी अमेरिका ने ली है। बगदाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास सड़क पर ड्रोन द्वारा हमला की गई थी। इस विस्फोट में इराक में ईरानी समर्थित मिलिशिया के डिप्टी कमांडर अबू महदी अल-मुहांडिस सहित अन्य लोग भी मारे गए, जिन्हें पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस के नाम से जाना जाता है।

27 दिसंबर को एक सैन्य अड्डे पर रॉकेट हमले के साथ, संयुक्त राज्य अमेरिका और इराक में ईरानी समर्थित मिलिशिया के बीच एक सप्ताह तक चली लड़ाई में एक अमेरिकी ठेकेदार की मौत हो गई।

**कौन थे जनरल सुलेमानी?**

62 साल के सुलेमानी, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के कुद्स बल के प्रभारी थे, जिसे यूएस ने पिछले साल अप्रैल में एक विदेशी आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया था। कुद्स बल अन्य देशों में ईरानी मिशनों को अंजाम देता है, जिनमें गुप्तचर भी शामिल होते हैं।

सुलेमानी, जिन्होंने 1998 से कुद्स का नेतृत्व किया था, ने न केवल खुफिया जानकारी और गुप्त सैन्य अभियानों की देखभाल की बल्कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को भी अपने प्रभाव से बहुत प्रभावित किया। इन्हें विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार ईरान के संभावित भावी नेता के रूप में देखा गया था।

"आज अगर यह कहा जाये कि मेजर जनरल कासिम सुलेमानी को समझे बिना ईरान को पूरी तरह से नहीं समझा जा सकता है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। किसी और की तुलना में सुलेमानी का प्रभाव इराक को सुदृढ़ करने में सबसे अधिक रहा है, जो इराक, सीरिया और लेबनान के माध्यम से भूमध्य सागर के पूर्वी तटों एवं ओमान की खाड़ी तक विस्तृत है।

**इनकी हत्या इतनी बड़ी बात क्यों है?**

इनके प्रभाव के कारण, पर्यवेक्षकों ने संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति की हत्या के साथ इनकी हत्या की बराबरी की है। जब उन्होंने ईरान की कमान संभाली, तो वह ज्यादातर एक शांत व्यक्ति थे, जो आमतौर पर सार्वजनिक समारोह से दूर रहते थे। हालाँकि, ऐसे कई मौके आए हैं, जब उन्होंने हलचल मचाई है। ऐसा ही एक अवसर पिछले साल आया था, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानी राष्ट्रपति (हसन) रूहानी को ट्वीट कर कहा था 'कभी भी संयुक्त राज्य को डराने या धमकी देने की कोशिश ना करें, नहीं तो इसका अंजाम कुछ इस तरह भुगतना पड़ेगा जैसा पहले कभी नहीं भुगता हो।'

यूएसएमए के एक भाषण में सुलेमानी ने इस ट्वीट का जवाब दिया 'यह ईरान के महान इस्लामी देश के राष्ट्रपति की गरिमा के खिलाफ है, इसलिए मैं एक महान राष्ट्र के सैनिक होने के नाते इसका जवाब दूँगा... ट्रम्प! आप इस क्षेत्र में हमारी शक्ति और क्षमताओं से अच्छी तरह वाकिफ हैं। आप जानते हैं कि हम विषम युद्ध में कितने शक्तिशाली हैं। आओ, हम तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं।"

**इतने महत्वपूर्ण कैसे बने?**

द न्यू यॉर्क में सितंबर 2013 के एक लेख में, डेक्सटर फिल्किंस ने सुलेमानी की जिंदगी और करियर के बारे में बताया। तब 56 वर्षीय सुलेमानी अपनी पत्नी के साथ तेहरान में रहते थे और उनके तीन बेटे और दो बेटियाँ थीं, फिल्किंस ने उन्हें 'स्पष्ट रूप से एक सख्त लेकिन प्यार करने वाले पिता' के रूप में वर्णित किया था।

1979 में जब अयातुल्ला रूहुल्लाह खुमैनी के विद्रोह ने ईरान में शाह को पद से हटा दिया, तो सुलेमानी, 22 वर्ष की आयु में अयातुल्ला के रिवोल्यूशनरी गार्ड में शामिल हो गए। ईरान-इराक युद्ध के दौरान सुलेमानी को सैनिकों को पानी की आपूर्ति करने के कार्य के साथ भेजा गया था, लेकिन जासूसी मिशनों को पूरा करने और बहादुरी के लिए प्रतिष्ठा अर्जित किया।

1998 में सुलेमानी को कुद्स बल का प्रमुख बनाया गया, जिसने उनके वर्चस्व में उदय का शुभारंभ किया।

**कुद्स बल ने क्या किया?**

खुमैनी ने 1979 में ईरान की रक्षा करने और इस्लामिक क्रांति को आगे बढाने के लक्ष्य के साथ एक आदर्श स्थापित किया था। 1982 में सिविल वॉर में शिया मिलिशिया को संगठित करने में मदद करने के लिए रिवोल्यूशनरी गार्ड अधिकारियों को लेबनान भेजा गया, जिसके परिणामस्वरूप अंतत: हिज्बुल्लाह का उदय हुआ। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के अनुसार, कुद्स बल सहित इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने ईरान की सेना में लगभग 125,000 पुरुषों का योगदान रहा है और इसमें असममित युद्ध और गुप्त संचालन करने की क्षमता है।

कुद्स के प्रमुख के रूप में सुलेमानी ने संक्षेप में अमेरिका के साथ काम किया। यह 9/11 के बाद अफगानिस्तान में अमेरिका की कार्रवाई के दौरान था, सुलेमानी चाहते थे कि तालिबान हार जाए। यूएसएमए ने लिखा है कि राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने ईरान को परमाणु प्रसारकर्ता, आतंकवाद के निर्यातक और 'एक्सिस ऑफ एविल' का हिस्सा बनने के बाद 2002 में सहयोग देना समाप्त कर दिया।

अमेरिका सुलेमानी पर इराक के 2003 के आक्रमण के बाद अमेरिकी सैनिकों पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगा रहा था, जिसने अंतत: सद्दाम हुसैन को पछाड़ दिया और 2011 में, ट्रेजरी विभाग ने उसे प्रतिबंधों की काली सूची में डाल दिया।

हाल के वर्षों में सुलेमानी को ईरान के सैन्य उपक्रमों और सीरिया, इराक और पूरे मध्य पूर्व में प्रभाव के पीछे मुख्य रणनीतिकार माना जाता था। सुलेमानी ने ईरान के पक्ष में मध्य पूर्व को फिर से संगठित करने की कोशिश की है, इन्होंने शक्ति को कम करने और एक सैन्य बल के रूप में काम किया है, जिसमें प्रतिद्वंद्वियों की हत्या, सहयोगी दलों को मारना और एक दशक तक अधिकांश उग्रवादी समूहों के एक नेटवर्क को निर्देशित करना (जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए), शामिल है।

**अमेरिका ने उनकी हत्या को कैसे जायज ठहराया है?**

रक्षा विभाग ने अमेरिका के साथ संघर्ष में सुलेमानी के नेतृत्व की भूमिका को रेखांकित करते हुए एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि "जनरल सुलेमानी और उनके कुद्स बल सैकड़ों अमेरिकी और गठबंधन सेवा सदस्यों की मौत और हजारों लोगों के घायल होने के लिए जिम्मेदार थे। इन्होंने इराक में गठबंधन के ठिकानों पर पिछले कई महीनों से हमले किए, जिसमें कई अमेरिकी और इराकी कर्मियों की मौत और घायल होने की घटना शामिल थी।"

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को विदेशी आतंकवादी संगठन के रूप में शामिल करने के अपने अप्रैल 2019 के फैसले में राज्य विभाग ने कहा था 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को विदेशी आतंकवादी संगठन में शामिल करना यह दर्शाता है कि ईरान एक गैरकानूनी शासन चलाने वाला देश है जो आतंकवाद को एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उपयोग करता है और यह 40 साल पहले अपनी स्थापना के बाद से आतंकवादी गतिविधि या आतंकवाद में लिप्त है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स सीधे तौर पर आतंकवादी साजिश में शामिल रहा है, आतंकवाद के लिए इसका समर्थन मूलभूत और संस्थागत है और इसने कई अमेरिकी नागरिकों को मारा है। "

**अब क्या हो सकता है?**

इस हमले ने क्षेत्र से परे संभावित नतीजों के साथ मध्य पूर्व को किनारे पर छोड़ दिया है। राष्ट्रपति रूहानी ने कहा कि यह हत्या अमेरिका का विरोध करने में ईरान को और अधिक निर्णायक बनाएगी, जबकि रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि एंटी-यूएस फोर्स मुस्लिम दुनिया भर में सटीक बदला लेगी।

ईरानी विदेश मामलों के मंत्री जवाद जरीफ ने ट्वीट किया, 'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद की अमेरिकी कार्रवाई बेहद खतरनाक और मूखर्तापूर्ण उकसावे भरी है। उसने दाएश (आईएसआईएस), अल नुसरा, अल कायदा एवं अन्य संगठनों से लड़ने वाली सबसे

प्रभावी ताकत जनरल सुलेमानी को निशाना बनाकर और उनकी हत्या कर दी।' उन्होंने आगे लिखा 'अमेरिका अपने दुस्साहस के परिमाणों के लिए खुद जिम्मेदार होगा।'

न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि इस हत्या का मध्य पूर्व के उन सभी देशों में कई जगह पर प्रभाव पड़ सकता है जहाँ ईरान और अमेरिका अपने-अपने प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा करते रहते हैं। विदेश विभाग ने अमेरिकी नागरिकों से तुरंत इराक छोड़ने का आग्रह किया है।

तेल की कीमतें पहले ही 3 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुकी हैं। भारत में मूल्य वृद्धि के प्रभाव का आकलन करने और आकस्मिक उपायों की समीक्षा करने के लिए वित्त मंत्रालय और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक की है।

## संभावित प्रश्न ( प्रारंभिक परीक्षा )

**प्र. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. कुद्स फोर्स इराक की रिवोल्यूशनरी गॉर्ड कॉर्प्स में एक इकाई है।
2. अमेरिका, बहरीन और भारत द्वारा रिवोल्यूशनरी गॉर्ड कॉर्प्स को एक आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

## Expected Questions (Prelims Exams)

**1. Consider the following statements:**

1. Quds Force is a unit in the Revolutionary Guard Corps of Iraq.
2. Revolutionary Guard Corps has been declared a terrorist organization by the US, Bahrain and India.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2

(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

**नोट : 3 जनवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा ( संभावित प्रश्न ) का उत्तर 1 (b) होगा।**

## संभावित प्रश्न ( मुख्य परीक्षा )

**प्रश्न: ईरान के कमांडर पर अमेरिकी ड्रोन हमला क्या मध्य-पूर्व एशिया में एक नया संकट पैदा कर सकता है? चर्चा कीजिए। ( 250 शब्द )**

**Could the US drone attack on Iran's commander create a new crisis in Middle-East Asia? Discuss. (250 words)**

**नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।**